

अध्याय -6

जीवन बीमा उत्पाद-2

अपारंपरिक जीवन बीमा उत्पादों का अवलोकन

1. पारंपरिक जीवन बीमा उत्पादों की सीमाएं

(क) नकद मूल्य तत्व

◌: पारंपरिक जीवन बीमा पॉलिसियों में बचत या नकद मूल्य तत्व सुपरिभाषित नहीं है।

(ख) वापसी की दर

◌: पारंपरिक बीमा योजनाओं में वापसी की दर क्या होगी यह सुनिश्चित करना आसान नहीं है।

(ग) समर्पण मूल्य

◌: इन अनुबन्धों के अन्तर्गत नकद एवं समर्पण मूल्य (समय के किसी भी बिन्दु पर) कुछ निश्चित मूल्यों (बीमांकक कोष की राशि तथा पॉलिसी की आस्तियों के आनुपातिक अंश) पर निर्भर करता है।

(घ) प्राप्ति

◌: अन्त में इन पॉलिसियों पर प्राप्ति का मुद्दा है।

2. अ-पारंपरिक जीवन बीमा उत्पाद

(क) यूनीवर्सल जीवन बीमा

◌: यूनीवर्सल जीवन बीमा एक स्थायी प्रकार का जीवन बीमा है जिसकी विशेषताएं हैं-इसका लचीला प्रीमियम, लचीली प्रत्यक्ष राशि तथा मृत्यु-लाभ की राशि एवं मूल-घटकों को अलग-अलग करना।

(ख) अपारंपरिक जीवन बीमा उत्पाद

◌: परिवर्तनीय बीमा योजनाएं

◌: यूनिट-लिंकड बीमा योजनाएं

3. यूलिप प्रीमियम का पृथक्करण

(क) व्यय

(ख) मन्त्र्यता

(ग) निवेश

4. यूलिप द्वारा प्रस्तावित निवेश निधियों के विकल्प

(क) ईक्विटी फण्ड: यह निधि धन का एक बड़ा भाग ईक्विटी में तथा ईक्विटी से सम्बन्धित साधनों में निवेश करती है।

(ख) ऋण (डेट) निधि: यह निधि धन का एक बड़ा भाग राजकीय बॉण्ड, निगमित बॉण्ड तथा फिक्सड डिपॉजिट आदि में निवेश करती है।

(ग) सन्तुलित निधि: यह निधि ईक्विटी तथा ऋण साधनों में मिश्रित रूप से धन का निवेश करती है।

(घ) मनी मार्केट फण्ड: यह निधि मुख्य रूप से धन का निवेश ट्रेंजरी बिल, जमा के प्रमाण पत्रों (जमापत्रों), वाणिज्यिक पत्रों आदि साधनों में करती है।